

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

पाठ्यक्रम

शास्त्री तृतीय सत्रार्थ [अद्वैत वेदान्त]

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

अद्वैतवेदान्त

पत्र संख्या - DSCC - 06

पाठ्यक्रम विवरणम् -

श्रीमद्भगवद्गीताशाङ्करभाष्यम् (त्रयोदश-सप्तदश-अष्टादशाध्यायाः)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोः स्वरूपम्, अभानित्वादिज्ञानसाधनं, क्षेत्रज्ञयाथात्म्यं,
प्रकृतिपुरुषयोः अनादित्वं, प्रकृतिपुरुषविवेकफलम् ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ध्यानादयः आत्मदर्शनोपायाः, श्रद्धात्रैविध्यम्, आहारत्रैविध्यम्, तपसः त्रैविध्यम्,
दानस्य त्रैविध्यम्, ब्रह्मणः त्रिविधः निर्देशः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सम्यग्दर्शनं तत्फलञ्च, त्यागपदसन्त्यासपदयोः अर्थः, नित्यादिकर्मानुष्ठानम्, त्यागत्रैविध्यम्,
अधिष्ठानादिकारणपञ्चकम्, कर्मप्रवर्तकम्, ज्ञानकर्मकर्तृणां त्रैविध्यम्, बुद्धिधृत्योः त्रैविध्यम्,
सुखस्य त्रैविध्यम्, प्रपञ्चस्य त्रिगुणात्मकत्वं, वर्णधर्माणां प्रविभागः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

स्वधर्मस्य अनुष्ठेयता, ज्ञाननिष्ठा, ज्ञानलक्षणाभक्तिः, भगवद्भक्तियोगः, ईश्वरेचित्तसमाधिः, ईश्वरस्य
सर्वभूतप्रेरकत्वं, सर्वभावेन ईश्वरशरणागतिः, सम्यग्दर्शननिष्ठा तत्फलं च, पात्रे सदुपदेशः,
शास्त्राध्ययनश्रवणफलम्, अर्जुनस्य अनुभवोक्तिः ।

शास्त्री-तृतीय-सत्रार्द्ध [पारम्परिक विषय]

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्य हिन्दी- अनुवादसहित, गीताप्रेस, गोरखपुरा
2. श्रीमद्भगवद्गीता, अष्टटीकोपेता, वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकरः, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठाना
3. श्रीमद्भगवद्गीता (शाङ्करभाष्यानन्दगिरिव्याख्यायुता हिन्द्यनुवादसहिता),
आचार्य केशवलाल वि. शास्त्री (अनुवादकः सम्पादकश्च), चौखम्बा
4. श्रीमद्भगवद्गीता, शङ्करान्दीव्याख्यासहिता, श्रीवासुदेव लक्षण पणशीकरः,
चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठाना
5. श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीशङ्करानन्दसरस्वतीविरचितया गीतातात्पर्यबोधिन्या समलङ्कृतम्),
यतिवर श्रीभोलेबाबा (अनुवादकः), चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली।
6. श्रीमद्भगवद्गीता (शाङ्करभाष्याद्येकादशटीकोपेता), शास्त्री गजानन शम्भु साधले,
परिमल पब्लिकेसन्।

सहायकः सन्दर्भग्रन्थः

१. श्रीमद्भगवद्गीता, स्वामी गम्भीरानन्दः (शाङ्करभाष्योपरि आङ्गलानुवादकः), रामकृष्णमठः।
२. श्रीमद्भगवद्गीता, स्वामी स्वरूपानन्दः (शाङ्करभाष्योपरि आङ्गलानुवादकः),
अद्वैत आश्रम, कलकात्ता।
३. श्रीमद्भगवद्गीता, तत्त्वविवेचनी हिन्दी-टीका पदच्छेद अन्वयसहित,
जयदयाल गोयन्दका (टीकाकारः), गीताप्रेस, गोरखपुरा।

अद्वैतवेदान्त

पत्र संख्या - DSCC - 07

पाठ्यक्रम विवरणम् -

तैत्तिरीयोपनिषत्शाङ्करभाष्यसहिता (आदितःब्रह्मानन्दवल्ल्याःप्रथमानुवाकपर्यन्तम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. उपोद्धातः, शान्तिमन्त्रव्याख्या, शिक्षाशब्दार्थः, पञ्चविधं संहितोपासनम्, मेधाकामस्य श्रीकामस्य च जप-होमादिविधानम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

व्याहृत्युपासनम्, ब्रह्मणः साक्षादुपलब्धिस्थानं हार्दाकाशम्, पाङ्क्तस्वरूपेण ब्रह्मोपासनम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सर्वोपासनाङ्गभूतम् ओंकारोपासनम्, ऋतादिशुभकर्मणां पुरुषार्थं प्रति साधनत्वम्, त्रिशङ्कोः वेदानुवचनम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आचार्योपदेशः, मोक्षसाधनमीमांसा, ज्ञानकर्मसमुच्चयस्य मोक्षसाधनत्वनिरासः, ज्ञानादेव कैवल्यम्, ब्रह्मवल्लीदिशाब्रह्मलक्षणम्, सृष्टिक्रमः, अन्नमयकोशवर्णनम्।

शास्त्री-तृतीय-सत्रार्द्ध [पारम्परिक विषय]

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. तैत्तिरीयोपनिषद्सानुवादशाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. उपनिषद्भाष्यम्, खण्डः- १, सं. एस्. सुब्रह्मण्यशास्त्री, श्री दक्षिणामूर्ति मठ प्रकाशन, वाराणसी।
3. तैत्तिरीयोपनिषद्, समूल शाङ्करभाष्य एवं ज्योति हिन्दी टीका सहित, कन्हैयालाल जोशी (व्याख्याकारः), चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी।

सहायकः सन्दर्भग्रन्थः

1. Eight Upanishads, Commentary of Shankaracharya, Swami Gambhirananda (Translator)
2. Taittiriya Upanishad, Translated and with notes based on Sankara's Commentary, Swami Lokeswarananda.
3. तैत्तिरीयोपनिषद्, सरल हिन्दी व्याख्या, स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।